



औद्योगिक क्षेत्र में फिक्सड चार्ज 165 रुपये प्रति केवीए से बढ़ाकर 290 रुपये किया

उद्यमियों ने किया बिजली के रेट बढ़ने का विरोध

हरिभूमि न्यूज | बहादुरगढ़

हरियाणा में बिजली दर बढ़ाने का बहादुरगढ़ के उद्यमियों ने विरोध किया है। बहादुरगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदाधिकारियों और सदस्यों ने कहा कि बिजली दर बढ़ाना उपभोक्ताओं के हित में नहीं है। उद्यमियों के अनुसार फिक्सड चार्ज 165 रुपये से बढ़कर 290 रुपये प्रति केवीए प्रति माह हो गया है, जिससे लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) पर काफी अधिक बिजली बिल का बोझ बढ़ गया है।

जी हां, हरियाणा में लोगों को अब बढ़ी हुई दरों के साथ बिजली बिल का भुगतान करना होगा। बिजली कंपनियों घाटे का हवाला देते हुए हरियाणा में रेट चढ़ा चुकी है। हरियाणा में घरेलू और औद्योगिक दोनों श्रेणियों में बिजली की दर पिछले साल की तुलना में 20 से 30 पैसे प्रति किलोवाट घंटे बढ़ गई है। जानकारी



बहादुरगढ़। बिजली के रेट बढ़ने का विरोध करते बीसीसीआई पदाधिकारी व सदस्य। फोटो: हरिभूमि

के अनुसार दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम में 43 लाख 57 हजार से ज्यादा और उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के करीब 37 लाख 39 हजार से ज्यादा उपभोक्ता हैं। राज्य की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) ने दरों में 76 प्रतिशत की वृद्धि की है।

बीसीसीआई के अध्यक्ष सुभाष जग्गा ने

बताया कि 100 केवीए लोड वाले छोटे उद्यमों को अब प्रति माह साढ़े 15 हजार रुपये की बढ़ोतरी का सामना करना पड़ेगा, जबकि मध्यम उद्यमों को 40 हजार रुपये से अधिक का बिल बढ़ सकता है। उनका तर्क है कि इस बढ़ोतरी से हरियाणा की औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता को नुकसान पहुंचेगा। खासकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को

इस बढ़ोतरी का खामियाजा भुगतान पड़ेगा। केके सेठ ने बताया कि बिजली के रेटों में यह वृद्धि राज्य के औद्योगिक क्षेत्र में निवेश और रोजगार को बाधित कर सकती है।

संजय नारांग ने बताया कि छोटे उद्यमों को कम बिजली का उपयोग करने के बावजूद, अब बड़े उद्यमों की तुलना में प्रति यूनिट अधिक भुगतान करना पड़ता है। औद्योगिक क्षेत्र में फिक्सड चार्ज पहले 165 रुपये प्रति केवीए था, लेकिन अब 290 रुपये प्रति किलोवोल्ट एम्पीयर हो गया है। औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए यह बढ़ोतरी उत्पादन लागत बढ़ा सकती है, जिसका असर बाजार पर भी देखने को मिल सकता है। सुरेश कुमार गुप्ता ने कहा कि कंपनियां अपने नुकसान को भरपाई के लिए उपभोक्ताओं पर रेट बढ़ाकर अतिरिक्त भार डाल रही हैं। उन्होंने ऊर्जा दक्षता को प्रोत्साहित करने के लिए सुधारों का आह्वान किया।

प्रवासी युवक ने फंडा लगाकर दी जान

झज्जर। गांव पाटौदा में एक प्रवासी युवक ने अज्ञात कारणों से खेतों में पेड़ पर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। परिजनों को जब पता चला तो उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर परिजनों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। मृतक की पहचान यूपी जिला संबल के पड़तपुर गांव निवासी करीब 25 वर्षीय युवक त्रिमूखी पुत्र हुक्म सिंह के तौर पर हुई है। अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम के दौरान मृतक के मामा राजाराम ने बताया कि

वह पिछले करीब वर्षों से पाटौदा में रहकर खेती बाड़ी का कार्य करता है। उसका भाजा त्रिमूखी करीब चार-पांच दिन पहले ही अपनी पत्नी के साथ यहां खेत मजदूर के तौर पर काम करने आया था। राजाराम के अनुसार शुक्रवार को भी वे जब खेत में कार्य कर रहे थे तो त्रिमूखी किसी अन्य खेत में एक पेड़ के नीचे के लोटा था। जब करीब तीन बजे उन्होंने देखा तो त्रिमूखी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस द्वारा इस संबंध में परिजनों के बयान पर इतिहासिक कार्यवाही करते हुए पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

दिनभर जेएलएन में युवकों की तलाश करते रहे गोताखोर व वाटर बोट, सुराग नहीं

हरिभूमि न्यूज | झज्जर

शुक्रवार सांय क्षेत्र के गांव मातनहेल के पास से गुजर रही जेएलएन में नहाने के लिए गए युवकों का 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी कोई सुराग नहीं मिली थी। दिनभर गोताखोर और वाटर बोट के माध्यम से कई टीमों मोबाइल, युवकों की तलाश में जुटी चपल और पर्स, हूबने की आशंका संहित काफी संख्या में ग्रामीण दिनभर मौके पर डटे रहे। पुलिस को दी शिकायत में प्रवेश पुत्र रमेश कुमार ने बताया कि उसका भाई अमित



झज्जर। जेएलएन में युवकों की तलाश करते हुए गोताखोर व वाटर बोट टीमों। फोटो: हरिभूमि

अपने गांव के ही साथी विकास पुत्र चमनलाल के साथ खापड़वास गांव के नजदीक पवन की दुकान पर फर्नीचर का



लापता युवक अमित व विकास

काम करते हैं। वे दोनों शुक्रवार की सुबह करीब दस बजे घर से दुकान पर गए थे। शाम करीब छह बजे उन्हें पता चला कि मातनहेल नहर में खापड़वास से मातनहेल रोड पर पुल के ऊपर अमित की बाईक खड़ी है तथा दोनों के चप्पल, मोबाइल व पर्स नहर के पास बाहर मिले हैं। उनके द्वारा दोनों की तलाश की गई, लेकिन वे नहीं मिले। प्रवेश ने बताया कि उन्हें शक है कि कहीं वे नहर में ना गिर गए हों।

साइबर ठगों ने पुलिसकर्मियों को लगाई 36 हजार रुपये की चपत

झज्जर। पुलिस द्वारा बार-बार जागरूक किए जाने के बाद भी लोग सबक नहीं ले रहे और साइबर ठगों के झांसे में आकर रुपये गंवा रहे हैं। इसी के चलते स्थानीय पुलिस लाइन ग्रुप डी में कार्यरत एक पुलिस कर्मियों को 36 हजार रुपये की चपत लगी है। पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित ने बताया कि बीती दो जून को उसके मोबाइल पर किसी का फोन आया और उसने कहा कि मैं आपका देस्ट बोल रहा हूँ। मैंने आपके पास बीस हजार रुपये व चालीस हजार रुपये गलती से भेज दिए हैं इसलिए उन्हें वापिस भेज दो। पीड़ित के अनुसार इसके बाद उसने खाते से बतौर ए नंबर में 36 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए लेकिन जब उसने अपना बेलेंस चेक किया तो उसके पास कोई रुपये नहीं आए थे। इसके बाद साइबर ठगी का पता चलने पर उसने साइबर पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज कराई।

GANGA INSTITUTE OF TECHNOLOGY AND MANAGEMENT
AN AUTONOMOUS INSTITUTE
JHAJJAR (DELHI-NCR)

What makes GITAM the First Choice

- NAAC 'A' GRADE INSTITUTE
- NBA ACCREDITED PROGRAMMES B.TECH ECE, ME & MBA
- STRONG ALUMNI NETWORK
- AN AUTONOMOUS INSTITUTE
- Industry Oriented Curriculum
- Degree Conferred by MDU, Rohtak
- Advance Certification Programmes

MEGA JOB FAIR-2025
28/06/2025 | 9:30 am onwards
Register at: www.gangainstitute.com

ADMISSIONS OPEN 2025-26

- B.TECH | B.TECH (LEET)
- CSE, CSE (DATA SC.), CSE (AI & ML)
- ECE, MECHANICAL, ELECTRICAL, CIVIL
- FIRE TECHNOLOGY AND SAFETY
- M. TECH | MBA | BBA | MCA | BCA
- B. ARCH | M. ARCH | M. ED | B. ED

FOR WORKING PROFESSIONALS
B.TECH (FIRE TECH. & SAFETY, CSE),
M.TECH (CSE), MBA

868400891 / 892 / 893 / 906 / 9654292946
www.gangainstitute.com

Head Office: 4/12, East Punjabi Bagh, New Delhi
+91-9654292902, 03, 04

BRCM EDUCATION SOCIETY

Bahal-127028, Bhiwani (HARYANA)
Transforming Values with Commitment...

BRCM HIGHER EDUCATION INSTITUTIONS **ADMISSION OPEN FOR SESSION 2025-26**

BRCM COLLEGE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY
Engineering New Vision...

Approved by AICTE, New Delhi & Affiliated to MDU, Rohtak
Recognized Under Section 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956
NAAC Accredited B+ Grade with 2.67 CGPA
NBA Accredited In B. Tech CSE & EE

PROGRAMS OFFERED

B.Tech.

- Computer Science & Engineering
- Civil Engineering
- Electrical Engineering
- Mechanical Engineering

M.Tech.

- Computer Science & Engineering
- Electrical & Electronics Engineering
- Structural Engineering

For Further Information Please Contact
Ph. No. - 8059900243, 8059900247
E-Mail : infocollege@brcm.edu.in
Website : www.brcmct.edu.in

GDC MEMORIAL COLLEGE
Your Potential - Our Passion...

Approved by Govt. of Haryana
Permanently Affiliated to Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani
NAAC Accredited 'B' Grade (Second Cycle)

COURSES OFFERED

UG Courses

- B.Com. (Pass)
- B.A. (Bachelor of Arts)
- B.Sc. (Life Science/Medical)
- B.Sc. (Phy. Sci./Non-Med./Comp. Sci.)
- BPES (Phy. Edu. and Sports)
- B.Sc. Agriculture (Hons.)

PG Courses

- M.Sc. - Mathematics
- M.Sc. - Physics
- M.Sc. - Chemistry
- M.Sc. - Geography
- M.A. - History
- M.Com.
- M.Sc. - Psychology*
(*Proposed New Course)

For Further Information Please Contact
Ph. No. - 9992000335, 9992500750, 9991500408
E-Mail : infogdc@gdccollege.edu.in | Website : www.gdccollege.edu.in

BRCM LAW COLLEGE
Where Knowledge is for Justice...

Approved by Govt. of Haryana and
Bar Council of India, New Delhi
Affiliated to Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani

COURSES OFFERED

- LL.B. - 3 Years Course
- B.A.LL.B. - 5 Years Integrated Course
- LL.M. - 2 Years Course

Special Features

- Moot Court Competitions
- Internship Opportunities

For Further Information Please Contact
Ph. No. - 9991500274, 9992500397
E-Mail : infolawcollege@brcm.edu.in
Website : www.brcmlawcollege.edu.in

BRCM SCHOOL EDUCATION INSTITUTIONS **ADMISSION OPEN FOR SESSION 2025-26**

BRCM PUBLIC SCHOOL
SHISHUKUNJ
CO-EDUCATIONAL SCHOOL AFFILIATED TO CBSE
JUNIOR WING

Ph. No. - 9992500733, 9992500507
E-Mail : infoshishukunj@brcm.edu.in | Website : www.brcmshishukunj.com

BRCM GYANKUNJ SCHOOL
(Day-Cum-Boarding School)
CO-EDUCATIONAL SCHOOL AFFILIATED TO CBSE
SENIOR WING Science, Commerce & Humanities

Ph. No. - 9992500855, 9992206600
E-Mail : infogyankunj@brcm.edu.in | Website : www.brcmgyankunj.edu.in

SAINIK SCHOOL SOCIETY
(MINISTRY OF DEFENCE)
has approved
BRCM SAINIK SCHOOL

Ph. No. - 9992500855, 9992206600
E-Mail : infogyankunj@brcm.edu.in | Website : www.brcmgyankunj.edu.in

खबर संक्षेप

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस: डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में हुआ कार्यक्रम

विधायक के साथ बहादुरगढ़ वासियों ने किया योग

विधायक ने कहा कि योग एवं ध्यान से व्यक्ति का तन-मन दोनों स्वस्थ रहते हैं और स्वस्थ नागरिक ही राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव रखता है।

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम के प्रांगण में भव्य योग कार्यक्रम हुआ। इसका शुभारंभ विधायक राजेश जून ने किया। सामूहिक योग शिविर में शहरवासियों ने बड़-चूड़कर भाग लिया।

विधायक राजेश जून ने कहा कि योग शारीरिक आरोग्यता और मानसिक संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक है। योग हमारी जीवन शैली में परिवर्तन लाकर हमारे अंदर जागरूकता लाता है। योग एवं ध्यान से व्यक्ति का तन-मन दोनों स्वस्थ रहते हैं और स्वस्थ नागरिक ही राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव रखता है। सीएम नायब सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने योग को जन-जन तक पहुंचाने के



बहादुरगढ़। शनिवार को अंबेडकर स्टेडियम में योग करते विधायक राजेश जून व अन्य। फोटो: हरिभूमि

लिए ठोस प्रयास किए हैं। योगाचार्य द्वारा कैप में विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास कराया गया। शांति मंत्र के साथ योग सत्र का समापन हुआ। कैप में डीसीपी मयंक मिश्रा, एसडीजेएम विवेक तोमर, एसडीएम नसीब कुमार, तहसीलदार जगदीश चंद, नायब तहसीलदार अनिल कुमार, एसीपी प्रदीप, एसीपी दिनेश कुमार, एसडीओ सुनील कौशिक, चेयरपर्सन सरोज राठी व डॉ. नीलम आदि उपस्थित रहे।



बहादुरगढ़। गैलेक्सी रिजॉर्ट में योगाभ्यास करते नरेश कौशिक व अन्य। फोटो: हरिभूमि

पूर्व विधायक ने समर्थकों संग किया योग

बहादुरगढ़। पूर्व विधायक नरेश कौशिक ने गैलेक्सी रिजॉर्ट में समर्थकों के साथ योगाभ्यास किया। कौशिक के साथ धर्मवीर वर्मा, कुष्ण चंद, टोनी सरपंच व योगाचार्य सुरेश राठी ने योग किया। उनके अनुसार पीएम नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच के परिणामस्वरूप आज पूरी दुनिया भारत को योग गुरु मानते हुए अनुसरण कर रही है। नरेश मारड्राज, सोनू कौशिक, विनोद कुमार, अजुज, प्रियांशु, श्रवण, विजय, रामधारी मास्टर, प्रवीण शर्मा व अमित आदि ने योग किया।

जैन ने योगाभ्यास के लिए किया प्रेरित

बहादुरगढ़। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष डॉ. पंकज जैन ने सेक्टर-6 के पार्क में साधकों के साथ योगाभ्यास किया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का पूरा श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जाता है। आज के दिन पूरे विश्व में करोड़ों की संख्या में साधक योगाभ्यास करते हैं। जैन ने योग का महत्व बताते हुए कहा कि सभी को इसे नियमित रूप से अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए।

एचएनजी में कर्मचारियों ने किया योगाभ्यास

बहादुरगढ़। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को हिंदुस्थान नेशनल ग्लास एंड इंडस्ट्रीज कंपनी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान योगाभ्यास के जरिये शारीरिक व मानसिक शांति के टिप्स दिए गए। योग प्रशिक्षक सुनील व सज्जन सिंह ने योगासन कराए। मुख्य अतिथि के तौर पर जीएम डीआईसीसी मंजीत दहिया, कंपनी कर्मियों व उनके परिवारों ने कार्यक्रम में उत्साह के साथ भाग लिया। कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट एसआर बंसल, महाप्रबंधक एसपी शर्मा ने योग का महत्व समझाते हुए कहा कि योग करने से मानसिक व शारीरिक मजबूती मिलती है।



बहादुरगढ़। कैप में अतिथियों को सम्मानित करती प्रिंसिपल डॉ. आशा शर्मा।

सांख्योल में लगाया योग शिविर

बहादुरगढ़। वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय द्वारा गांव सांख्योल में योग शिविर लगाया गया। शारीरिक शिक्षा विभाग की प्रवक्ता सुनीता रानी ने बुजुर्गों, महिलाओं व बच्चों को सूक्ष्म व्यायाम व विभिन्न योग आसन कराया। प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा ने कहा कि योग दिवस हमें अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच शारीरिक, मानसिक तथा आध्यात्मिक संतुलन स्थापित करने के लिए प्रेरित करता है। मौके पर सरपंच टीना, पूजा, सारिका, अनीता, सोनिया व सुनीता आदि मौजूद रहे।

वैश्य कॉलेज में छात्राओं ने किया योग

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय में भी छात्राओं ने योगाभ्यास किया। प्राचार्या डॉ. राजवंती शर्मा ने कहा कि योग हमारे देश की प्राचीन संस्कृति है। आजकल लोग कुटा, निराशा, क्रोध और अवसाद में जी रहे हैं। ऐसे में योग को दैनिक जीवन में अपनाने से तन व मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। डॉ. कुसुम ने योग दिवस का महत्व बताया। योग प्रशिक्षक प्रीति ने छात्राओं को योग की विभिन्न क्रियाओं का अभ्यास कराया।



बहादुरगढ़। योग क्रियाएं करती वैश्य कॉलेज की छात्राएं। फोटो: हरिभूमि



बहादुरगढ़। योगाभ्यास करते एमडी कॉलेज के विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

विद्यार्थियों ने किया योगाभ्यास

बहादुरगढ़। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एमडी शिक्षण महाविद्यालय में कार्यक्रम हुआ। बीएड व डीएलएड के विद्यार्थियों ने योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास किया। प्राचार्य सुरखाना पेंकरे द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न आसनों को करवाकर उनके लाभों के बारे में अवगत कराया। प्रबंधक मंडल के सदस्य रामनिवास खिल्लर, एडवोकेट प्रवीण खिल्लर, डॉ. पूनम चौधरी, डॉ. सीमा खिल्लर, प्रवक्ता डॉ. सुमित कुमार, रीना रानी, रचना आदि ने भी इस योगाभ्यास में भाग लिया।

जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में भी किया योग

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

शहर की एचएल सिटी स्थित जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में शनिवार को भव्य योग कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना और सूर्य नमस्कार से हुई। जिसके पश्चात स्टॉफ सदस्यों ने विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया। स्कूल निदेशिका शैलजा जून ने कहा कि योग की यह परंपरा हम सबको स्वस्थ जीवन की ओर बढ़ाती है। आज योग के रूप में



बहादुरगढ़। जीडी गोयनका स्कूल में योगाभ्यास करते स्टॉफ सदस्य। फोटो: हरिभूमि

भारतीय संस्कृति की पहचान संस्कारवान बनाने में भी योग दुनियाभर में गूंज रही है। युवाओं को का अतुलनीय योगदान है। योग से

न केवल सेहत में सुधार बल्कि मानसिक क्षमता का विकास भी होता है। हमें योग को अपनी दिनचर्या का एक अहम हिस्सा बनाना चाहिए। नियमित रूप से न केवल स्वयं बल्कि दूसरों को भी योगाभ्यास के लिए प्रेरित करना चाहिए। स्कूल स्टाफ ने बड़ी ही तन्मयता के साथ सभी योग मुद्राओं का अभ्यास किया। सभी शिक्षकों और कर्मचारियों ने इस आयोजन के लिए स्कूल प्रबंधन का आभार जताया।



बहादुरगढ़। बराही गांव में योगाभ्यास करते रविंद्र खिल्लर व अन्य। फोटो: हरिभूमि

जिला पार्षद ने बराही में किया योग

बहादुरगढ़। जिला पार्षद रविंद्र खिल्लर ने शनिवार को गांव बराही में योगाभ्यास करते हुए आमजन से योग को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया। कोच बिजेन्द्र द्वारा गांव बराही में योगाभ्यास कराया गया। भाजपा नेता रविंद्र खिल्लर ने कहा कि दुनियाभर में योग के प्रचार-प्रसार का पूरा श्रेय पीएम नरेन्द्र मोदी को जाता है। आज पूरे विश्व में भारत की प्राचीन योग शिक्षा का लोहा मना जाता है।



बहादुरगढ़। धर्म विहार में योगाभ्यास करते युवराज खिल्लर व अन्य। फोटो: हरिभूमि

वर्ल्ड फिटनेस जिम में किया योग

बहादुरगढ़। वर्ल्ड फिटनेस जिम में नेशनल पावर लिफ्टर युवराज खिल्लर ने शनिवार को योगाभ्यास कराया। उन्होंने युवाओं को योग का महत्व समझाया। उनके अनुसार योग से रोग प्रतिरोधक क्षमता क्षमता बढ़ती है। लोगों को नियमित योग करना चाहिए। सभी मिलकर स्वस्थ भारत का निर्माण कर सकते हैं।



बहादुरगढ़। अग्रवाल कॉलोनी पार्क में योग करवाते बीके लवकेश। फोटो: हरिभूमि

अग्रवाल कॉलोनी में भी किया योग

बहादुरगढ़। शहर की अग्रवाल कॉलोनी स्थित पब्लिक पार्क में आचार्य बीके लवकेश ने लोगों को योगाभ्यास कराया। उन्होंने कहा कि योग अपने आपमें संपूर्ण व्यायाम है। यह शरीर को ऊर्जावान और तनाव मुक्त बनाता है। उन्होंने पूर्ण नमस्कार, ताड़सन, वृक्षासन, कपालभाति, अनुलोम-विलोम आदि आसन कराए। इस मौके पर अश्विनी जैन व रवींद्र गुप्ता ने योग के लाभ बताए।



बहादुरगढ़। नूना माजरा स्टेडियम में योग करते ग्रामीण। फोटो: हरिभूमि

नूना माजरा में मनाया योग दिवस

बहादुरगढ़। शनिवार को गांव नूना माजरा में योग दिवस मनाया गया। इसमें पीएचसी के चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव कुक्कल व सरपंच जयभगवान की अगुवाई में विजय कुमार, विनय, दलजीत, मदन सिंह, मंगत राम समेत ग्राम निवासियों ने योगाभ्यास किया।



बहादुरगढ़। स्कूल में योगाभ्यास करते भाविप सदस्य। फोटो: हरिभूमि

बहादुरगढ़ शाखा ने स्कूल में किया योग

बहादुरगढ़। भारत विकास परिषद की बहादुरगढ़ शाखा ने लाहड़नपार स्थित शक्ति विद्या मंदिर स्कूल में योग दिवस मनाया गया। योगाचार्य मुस्कान ने साधकों को विभिन्न आसन कराया। शाखा अध्यक्ष रमेश गुप्ता, विजय पुहलानी, प्रवीण शर्मा, सतीश शर्मा, एसएम माटी, विरेन्द्र कौशिक, दीपेश राठी, रमेश सुखीजा, जयभगवान वर्मा, तरुण कौशिक व सुमित्रा आदि ने योग किया।



बहादुरगढ़। ससेक्टर-6 में योग करते दिनेश कौशिक व अन्य। फोटो: हरिभूमि

भारत की प्राचीनतम धरोहर है योग

बहादुरगढ़। भाजपा के विधानसभा संयोजक दिनेश कौशिक ने सेक्टर-6 में कार्यक्रमों और गोल्ड मेडलिस्ट उज्ज्वल वत्स के साथ योगाभ्यास किया। उन्होंने लोगों से नियमित योग करने की अपील करते हुए कहा कि यह भारत की प्राचीनतम धरोहर है। पीएम नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में योग ने विश्व को नई राह दिखाई है। सीएम नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में योग को बढ़ावा दिया जा रहा है। कैप में दिनेश शेखावत, ऋषि मारड्राज, गौरव राठी, दुष्यंत काजल, रमेश आर्य व प्रवीण कुमार आदि मौजूद रहे।



बहादुरगढ़। सेक्टर-2 के पार्क में योगाभ्यास करते नवीन बंटी व अन्य।

बंटी ने सेक्टर-2 में किया योगाभ्यास

बहादुरगढ़। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन बंटी ने शनिवार को सेक्टर-2 में कार्यक्रमों के साथ योगाभ्यास किया। उन्होंने कहा कि मोदी व नायब सरकार योग के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा दे रही है। योग शरीर के साथ मन को जोड़ने वाला विज्ञान है। पीएम नरेन्द्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्राचीन योग पद्धति को नई पहचान दिलाई है।



बहादुरगढ़। सेवा भारती के कैप में योगाभ्यास करती महिलाएं। फोटो: हरिभूमि

सेवा भारती ने महिलाओं को करवाया योग

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

शहर के सेक्टर-6 स्थित पार्क में सेवा भारती की ओर से महिलाओं को योगाभ्यास करवाया गया। योगिनी डॉ. सुरेश मलिक ने बताया कि योग शरीर को तंदुरुस्त रखने

के साथ-साथ मानसिक तथा आत्मिक संतुलन बनाता है। जीवन को अनुशासित व अध्यात्मिक बनाता है। डॉ. अनीता रानी ने योग दिवस की अहमियत समझाई। इस अवसर पर शीला, रोमिंत मलिक, सरोज राठी, सावित्री दलाल, दीपा राठी, हेमलता व पिंकी आदि ने योग किया।

तीन दिवसीय शैक्षणिक कार्यक्रम संपन्न

बहादुरगढ़। नूना माजरा के श्री ओमवीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ रिहैबिलिटेशन में आयोजित तीन दिवसीय शैक्षणिक कार्यक्रम का समापन हो गया। इसमें शिक्षण विधि तथा शिक्षण रणनीति पर विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की गई। कार्यक्रम में हरियाणा सहित विभिन्न राज्यों के व्यावसायिक पुनर्वास कर्मियों ने भाग लिया। समापन समारोह में संस्था अध्यक्ष नवीन देसवाल ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।



बहादुरगढ़। समापन कार्यक्रम में आयोजकों के साथ प्रतिभागी।

जेजे हॉस्पिटल में महिला स्वास्थ्य पर हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

शहर के जीवन ज्योति अस्पताल में शनिवार को महिला स्वास्थ्य को लेकर एक चर्चा हुई। इसमें स्त्री रोग और महिलाओं के स्वास्थ्य पर विमर्श हुआ। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ समेत सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। अस्पताल निदेशिका डॉ. ज्योति मलिक ने गर्भपात के विषय में अपने दायित्व व कानूनी जिम्मेदारियों का जिक्र किया। सभी स्त्री रोग विशेषज्ञों ने आश्वासन दिया कि वे कानून का पालन करेंगे। डॉ. राजरानी बंसल ने



बहादुरगढ़। जेजे हॉस्पिटल में हुई चर्चा में मौजूद महिला रोग विशेषज्ञ। फोटो: हरिभूमि

डॉ. ज्योति मलिक, डा. ममता भास्कर, डा. अर्चना खुराना, डा. अर्चना जैसवाल, डा. स्वाति, डा.

शिवानी राठी, डा. वीनू त्रिपाठी, डा. अरपन व डा. तरुणा का आभार जताया।

भाविप ने सेक्टर-6 में लगाया योग शिविर

बहादुरगढ़। भारत विकास परिषद की विवेकानंद शाखा द्वारा सेक्टर-6 स्थित पार्क में योग दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। योगाचार्य संदीप गोयल ने लोगों को विभिन्न आसन कराया। परिषद ने साधकों में 150 टी-शर्ट भी बांटी। शाखा संरक्षक पवन जैन, अशोक गोयल, मुरारी लाल गोयल, गौरव गर्ग, सतीश शर्मा, सुनील बंसल, चंचल गर्ग, सुनीता जैन, सीमा बंसल, मंजू गर्ग, राजबीर बंसल और सुमित जैमिनी आदि ने योगाभ्यास किया।

खबर संक्षेप



झज्जर। योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित चिकित्सक एवं विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

योग दिवस पर विद्यार्थियों व चिकित्सकों ने रखे विचार

झज्जर। अंतर राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में वर्ल्ड मेडिकल कॉलेज गिरावड में एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के चेरमैन डॉक्टर नरेंद्र सिंह, डीन डॉक्टर जेसी पासी, डायरेक्टर डॉक्टर सीए दुल, एमएस डॉक्टर एमएल जयपाल सहित विभिन्न कर्मचारी व विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान एमबीबीएस के विद्यार्थियों के बीच ई-पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ वहीं संस्था के वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर उषा किरण, डॉक्टर किरण बाला तथा नवगठित हरियाणा प्रदेश योग आयोग के सदस्य डॉक्टर मदन मानव ने योग दिवस को लेकर अपने विचार रखे। इस दौरान योग विशेषज्ञ ममता द्वारा योगाभ्यास भी कराया गया।

जिलेभर के हजारों नागरिकों, विद्यार्थियों, अधिकारियों और योग साधकों ने किया योग योग भारत की ऋषि परंपरा का अमूल्य उपहार : डिप्टी स्पीकर

हरिभूमि न्यूज़ ► झज्जर

शनिवार को 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में आध्यात्मिक ऊर्जा, स्वास्थ्य संकल्प और जन सहभागिता का अद्भुत संगम दिखा। एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य की वैश्विक थीम और योग युक्त, नशा मुक्त हरियाणा के संकल्प के साथ आयोजित हुए कार्यक्रम का हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉक्टर कृष्ण लाल मिड्डा ने आयुर्वेद के प्रवर्तक भगवान धन्वंतरी की मूर्ति पर दीप प्रज्वलित करते हुए शुभारंभ किया। रोडवेज वर्कशॉप प्रांगण में आयोजित भव्य योग महोत्सव में जिलेभर के हजारों नागरिकों, विद्यार्थियों, अधिकारियों और योग साधकों ने भाग लिया। डिप्टी स्पीकर डॉक्टर कृष्ण लाल मिड्डा ने बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में योग को भारतीय संस्कृति का अमूल्य उपहार बताते हुए कहा कि यह केवल व्यायाम नहीं, मन, तन और आत्मा के समन्वय की कला है। यह ऋषि



झज्जर। हरियाणा रोडवेज वर्कशॉप परिसर में योगाभ्यास करते हुए डिप्टी स्पीकर डॉक्टर कृष्ण लाल मिड्डा। फोटो: हरिभूमि

मुनियों की अमूल्य धरोहर है। जो अनादि काल से मानव जीवन का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि बड़े गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 में समूचे विश्व को योग की दिव्यता का आभास करवाया और संयुक्त राष्ट्र महासभा में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा, जिसे विश्व के 177 देशों ने अपनी स्वीकृति प्रदान की। जिसमें 47 से अधिक मुस्लिम देश शामिल थे। अब 21 जून को भारत सहित पूरे विश्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है।

रिलायंस मेट ने मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

झज्जर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रिलायंस मेट द्वारा एक्सएलआरआई के सहयोग से केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एक्सएलआरआई के डीन सुनील ठाकुर, रिलायंस की ओर से लोकेश कापसे, केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान केंद्र से डॉक्टर प्रीति तथा एक्सएलआरआई से पंकज अग्रवाल ने कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और योग प्रार्थना के साथ की। योगा थेरेपिस्ट कौशल कुमार द्वारा मौजूदा जनसमूह को योगाभ्यास कराया गया। अपने संबोधन में डॉक्टर प्रीति ने भारत को विश्व योग गुरु के रूप में स्थापित करने की ऐतिहासिक भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने भगवान शिव द्वारा माता पार्वती और सप्त ऋषियों को योग की शिक्षा देने की परंपरा का उल्लेख करते हुए योग की आध्यात्मिक विरासत को रेखांकित किया। सुनील ठाकुर ने कहा कि योग केवल ज्ञान नहीं, बल्कि आचरण का विषय है। लोकेश कापसे ने योग के माध्यम से आत्म-सुख और संतुलित जीवनशैली को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस मौके पर रिलायंस की ओर से संजय, राजकुमार, वंचल, अक्षय सहित रिलायंस सिक्वोरिटी टीम सदस्य शिवकुमार, समुद्र सहित अन्य भी उपस्थित रहे।



झज्जर। रिलायंस मेट के सहयोग से केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फोटो: हरिभूमि

राजकीय नेहरू कॉलेज में योग दिवस मनाया



झज्जर। राजकीय नेहरू महाविद्यालय में योगाभ्यास करते हुए। फोटो: हरिभूमि

झज्जर। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग क्लब के तत्वाधान में महाविद्यालय के स्टाफ सदस्यों और विद्यार्थियों ने योगाभ्यास किया। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, वज्रासन, अनुलोम-विलोम आदि कई योगासनों का अभ्यास किया। कार्यक्रम का संयोजन योग क्लब प्रमोदी शिवशंकर ने किया।

विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों व कर्मचारियों ने किया योगाभ्यास



झज्जर। दुजाना महाविद्यालय में योगाभ्यास करते हुए शिक्षक एवं विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज़ ► झज्जर
राजकीय महाविद्यालय दुजाना अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर राजेश कुमार की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का संचालन नसीब सिंह, डॉक्टर अजय कुमार व डॉक्टर नरेंद्र दहिया ने किया। सुबह सात बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ-साथ

महाविद्यालय के प्राध्यापक व कर्मचारियों ने भी विभिन्न योगासनों का अभ्यास करवाया। योग प्रशिक्षकों द्वारा उपस्थित जनसमूह को योग से होने वाले लाभों से अवगत कराया गया।

योगाभ्यास के बाद किया पौधरोपण



झज्जर। कार्यक्रम के उपरान्त संस्थान परिसर में पौधरोपण करते हुए संस्थान से सदस्य। फोटो: हरिभूमि

झज्जर। पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में योग फॉर वन अर्थ वन हेल्थ थीम को लेकर योग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में सिलाई के प्रशिक्षणार्थियों और बैंक कर्मचारियों ने भागीदारी करते हुए विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान की तकनीकों का अभ्यास किया। संस्थान निदेशक उमेश मुकुंद ने कहा कि योग हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बनना चाहिए। यह न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि मानसिक संतुलन और आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। योगाभ्यास के बाद पौधरोपण किया।

आत्मिक शांति के लिए योग ही एकमात्र सहारा

■ भारतीय योग विद्या का अनुसरण करते हुए दुनियाभर के सभी देश योग पद्धति को अपना रहे

हरिभूमि न्यूज़ ► झज्जर

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर साल्हावास स्थित आईटीआई परिसर में आयुष विभाग के तत्वाधान में खंड स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जप चेरमैन कप्तान सिंह बिरधाना ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान अपने संबोधन में कप्तान सिंह बिरधाना ने कहा कि व्यक्ति



झज्जर। कार्यक्रम में योगाभ्यास करते हुए जप चेरमैन कप्तान सिंह बिरधाना। फोटो: हरिभूमि

कितना ही धन कमा लें, लेकिन आत्मिक शांति के लिए योग ही

उसका एकमात्र सहारा बनता है। करते हुए दुनियाभर के सभी देश भारतीय योग विद्या का अनुसरण योग पद्धति को अपना रहे हैं।

योग युवत-नशा मुक्त हरियाणा का लिया संकल्प

■ बीडीपीओ धर्मपाल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया

हरिभूमि न्यूज़ ► झज्जर

योग युक्त, नशा मुक्त हरियाणा के संकल्प के साथ माछरोली ब्लॉक में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बीडीपीओ धर्मपाल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में काफी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के छात्र-छात्राएं, ग्रामवासियों, महिला समूहों, आंगनवाड़ी



झज्जर। कार्यक्रम के दौरान योगाभ्यास करते हुए प्रशासनिक अधिकारी एवं ग्रामीण। फोटो: हरिभूमि

कार्यकर्ताओं और पंचायत प्रतिनिधि शामिल हुए। योगाचार्यों की टीम ने सभी प्रतिभागियों को

योग प्रोटोकॉल के अनुसार ताड़ासन, वज्रासन, अनुलोम-विलोम,

ध्रामरी और ध्यान जैसी क्रियाएं करवाते हुए उनके लाभ भी समझाए।

छात्रों के साथ मिलकर किया योगाभ्यास

झज्जर। महाराजा अमरसेन महिला महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर डॉक्टर तितिक्षा रोहिल्ला द्वारा छात्रों व स्टाफ सदस्यों को योगाभ्यास कराया गया। उन्होंने छात्रों को जीवन में योग का महत्व समझाते हुए उसे नियमित दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया। कार्यकारी प्राचार्य डॉक्टर चित्रलेखा ने छात्रों के साथ योगाभ्यास करते हुए उन्हें योग से होने वाले फायदों की जानकारी दी।



झज्जर। योगाभ्यास करते हुए छात्राएं और शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

विद्यार्थियों ने किया घर पर योगाभ्यास

झज्जर। अंतर राष्ट्रीय योग दिवस पर संस्कारम इंटरनेशनल स्कूल में विशेष ऑनलाइन योग सत्र का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने अपने-अपने घरों पर रहकर योगाभ्यास किया। संस्था के चेरमैन डॉक्टर महिपाल ने कहा कि आजकल की भागदौड़ मरी जिंदगी में बच्चों की दिनचर्या बहुत ही व्यस्त हो गई है। जिस कारण उन्हें मानसिक तनाव और शारीरिक कमजोरी दिखाई देती है। इस कमी को दूर करने के लिए योग एक सशक्त माध्यम है। इससे बच्चों के न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक तनाव को भी कम किया जा सकता है। प्राचार्य श्वेता कौशिक ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है बल्कि मन और आत्मा के संतुलन का माध्यम है। यदि विद्यार्थी प्रतिदिन कुछ समय योग को दें तो उनका संपूर्ण विकास सुनिश्चित किया जा सकता है।



झज्जर। योगाभ्यास करते हुए विद्यार्थी एवं शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

योग करने से शरीर रहता है स्वस्थ : रमेश

झज्जर। एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास में शनिवार को 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शारीरिक प्राध्यापक रवींद्र कुमार द्वारा एचडी गुप के डायरेक्टर रमेश गुप्ता, सचिव विशाल नेहरू एवं हेमंत गुप्ता, प्राचार्य सतीश सिंह सहित संस्थान के शिक्षकों व विद्यार्थियों ने योगाभ्यास करवाया गया। डायरेक्टर रमेश गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर सर्वप्रथम 2015 में 21 जून को इस दिवस को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया गया। इस सार्थक पहल को सभी देशों ने खुले दिल से समर्थन करते हुए अपनाया। योग करने से अस्थायी रोग भी कट जाते हैं और जहां शरीर स्वस्थ रहता है वहीं मन भी शांत रहता है। योग भारत की प्राचीन परंपरा का एक अमूल्य उपहार है। प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि वह योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करे।



बेरी। कार्यक्रम के दौरान योगाभ्यास करते हुए चेरमैन सतीश कुमार, एसडीएम रेणुका नंदल एवं अन्य। फोटो: हरिभूमि

बेरी की पवित्र धरा पर गुंजा योग का संदेश

बेरी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर खेल स्टेडियम में खंड स्तरीय योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एचडीएसई के चेरमैन सतीश कुमार ने कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की व भगवान धन्वंतरी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्कूलों बच्चों, योग साधकों, नागरिकों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने एक साथ सामूहिक योगाभ्यास कर योग युक्त, नशा मुक्त हरियाणा का संकल्प लिया। चेरमैन ने कहा कि योग, नकारात्मकता को सकारात्मकता में बदलने का एक माध्यम है। यह केवल शरीर नहीं, विचारों को भी स्वस्थ करता है और देश के विकास में स्वस्थ नागरिकों का योगदान ही सबसे बड़ा निवेश है।



बहादुरगढ़। गांव परनाला में योगाभ्यास करते अशोक राठी व अन्य। फोटो: हरिभूमि

परनाला में समझाया योग का महत्व

बहादुरगढ़। शनिवार को गांव परनाला में सरपंच मुकेश राठी के कार्यालय पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इसमें सरपंच एसोसिएशन के प्रधान अशोक राठी ने ग्रामीणों को योग के वास्तविक स्वरूप और उसकी जीवन में अनिवार्यता को समझाया। राठी ने कहा कि सभी प्रतिदिन योग को अपने जीवन में शामिल करें। योग सबसे शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। इस मौके पर राजमल, रमेश, सोमबीर, पवन, रामनिवास, रणबीर, सूरज व राहुल आदि ने योगाभ्यास किया।



झज्जर। विद्यालय परिसर में योगाभ्यास करते हुए एसडीएम अंकित कुमार एवं अन्य। फोटो: हरिभूमि

छात्र कॉलेज में उत्साह से किया योगाभ्यास

बहादुरगढ़। छात्रा के चौधरी हरद्वारी लाल राजकीय महाविद्यालय में योग दिवस उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यकारी प्राचार्य डॉ. अनीता दलाल के कुशल दिशानिर्देशन में कार्यक्रम का संचालन योग सेल इंवार्य डॉ. मनोज कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों ने विभिन्न योग आसनों एवं प्राणायाम का अभ्यास किया।

खबर संक्षेप

प्रदेशाध्यक्ष से की मुलाकात

बहादुरगढ़। बीजेपी अटल मंडल प्रवक्ता विशाल शास्त्री ने सा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ोली से मुलाकात की। उन्होंने प्रदेशाध्यक्ष के साथ संगठन की मजबूती को लेकर चर्चा की। साथ ही ये भी कहा कि संगठन में मजबूत व मेहनती कार्यकर्ताओं को अधिक तबज्जो दी जाए। शास्त्री ने कहा कि हरियाणा में सीएम नायब सैनी व प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ोली की जोड़ी सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ रही है।

सीएम की कार्यशैली को सराहा

बहादुरगढ़। पूर्व पार्षद जसबीर सैनी ने मुख्यमंत्री आवास पर सीएम नायब सैनी से मुलाकात की। उनके अनुसार मुख्यमंत्री दिन-रात जनता की सेवा कर रहे हैं। उनकी कार्यशैली को देखकर विश्व बौद्धिका गया है। उन्होंने सीएम से पॉइंट पड़े कामों को जल्द पूरा करवाने का आग्रह किया।

अवैध हथियार व तीन कारतूस सहित गिरफ्तार

बहादुरगढ़। पुलिस की अपराध जांच शाखा प्रथम ने आसौदा थाना क्षेत्र से एक आरोपी को अवैध हथियार व तीन कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी को खिलाफ आसौदा थाने में केस दर्ज किया गया है। सीआईए प्रभारी सुनील कुमार के अनुसार, सूचना मिली कि सोनू निवासी रोहद अवैध हथियार लिए हुए बाबा जयम मंदिर धौला कुआं के पास खड़ा है। सूचना के आधार पर टीम ने मौके पर जाकर आरोपी युवक को काबू किया। तलाशी ली गई तो उसके पास एक अवैध हथियार व तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अदालत बहादुरगढ़ में पेश किया गया। अदालत के आदेश पर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

समाज की दशा और दिशा पर मंथन

बहादुरगढ़। अंतरराष्ट्रीय आदर्श शिक्षा संस्कार मंच की ओर से ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें शिक्षाविदों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं ने समाज की दशा और दिशा पर मंथन किया गया। मंच संचालिका रिमझिम पुनिया, लेखिका विजय लक्ष्मी भारद्वाज, पूर्व आर्मी हवलदार फूल सिंह, मंशाराम, ब्रजलाला रोहन अन्वेषी शिक्षार्थी, संतोष कुमारी, संमति, डॉ. सोदान सिंह तवार आदि अतिथियों तथा वक्ताओं ने कहा कि हमारा नवयुवा संस्कृति, सभ्यता और संस्कारों से दूर होता जा रहा है। अपने बच्चों को सही रास्ते पर रखने के लिए हमें आवश्यक कदम उठाने ही होंगे।

ट्राला की टक्कर से बाइक सवार व्यक्ति घायल

झज्जर। शुक्रवार देर सांय ग्वालिसन रोड पर रेलवे फाटक के नजदीक एक ट्राला ने मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को टक्कर मार कर घायल कर दिया। पुलिस को दी शिकायत में रणखंडा निवासी संजय ने बताया कि उसका पिता करीब साठ वर्षीय अजीत सिंह शुक्रवार की शाम पांच बजे अपनी मोटरसाइकिल किसी काम से झज्जर आया था। शाम करीब सवा छह बजे उसे अपने पिता के एक्सिडेंट की सूचना मिली। जब वह घटनास्थल पर पहुंचा तो उसे पता चला कि उसके पिता को किसी ट्राले ने टक्कर मारी है। इसके बाद घायल अजीत सिंह को स्थानीय नागरिक अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे रोहताक पीजीआई रेफर कर दिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

नजफगढ़ रोड और नई बस्ती से बाइक चोरी

बहादुरगढ़। शहर में वाहनों की चोरी नहीं थम रही। आए दिन कहीं न कहीं से वाहन उठाए जा रहे हैं। अब दो और वाहन मालिकों ने पुलिस को शिकायत दी है। नई बस्ती के निवासी राजू का कहना है कि शुक्रवार को उसने अपनी बाइक मकान के बाहर खड़ी की थी। सुबह 11 बजे देखा तो बाइक नहीं मिली। कोई अज्ञात शख्स चुरा ले गया है। वहीं, खैरपुर के निवासी देवेन्द्र का कहना है कि शुक्रवार को वह बहादुरगढ़ में नजफगढ़ रोड स्थित एक दुकान पर आया था। गलती से बाइक में चाबी लगी रह गई।

सरकार से बार-बार अनुरोध करने पर भी पूरी नहीं हो पा रही मांगों लंबित मांगों को लेकर एनएचएम कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज झज्जर

एनएचएम कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर डिप्टी स्पीकर डॉक्टर कृष्ण लाल मिश्रा को ज्ञापन सौंपा। एनएचएम कर्मचारी संदीप कुमार जांगड़ा ने बताया कि प्रदेश भर में स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत एनएचएम कर्मचारियों की लंबित मांगों को पूर्ण नहीं हो पा रही जिस कारण कर्मचारियों में रोष है।



झज्जर। डिप्टी स्पीकर डॉक्टर कृष्ण लाल मिश्रा को ज्ञापन सौंपते हुए एनएचएम कर्मचारी तथा बैठक में उपस्थित विभिन्न संगठनों के कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि



फोटो: हरिभूमि

उन्होंने कहा कि न ही सरकार द्वारा 2021 में की गई घोषणा के अनुसार उन्हें सातवें वेतन का लाभ मिल पा रहा है। यहां तक की जो हर महीने समय पर सैलरी मिलती है वो कभी आधी सैलरी मिलती है तो कभी मिलती ही नहीं।

प्रोत्साहन राशि भी दी थी। भाजपा ने चुनाव से पहले कहा था कि हमारी सरकार आते ही आपकी सभी मांगों को पूरा किया जाएगा। अब भाजपा चुनाव भी जीत गई है इसलिए उनकी लंबित मांगें पूरी होनी चाहिए।

कर्मचारियों ने बताया कि कोरोना काल में एनएचएम कर्मचारियों ने आमजन के स्वास्थ्य को लेकर कंधे से कंधा मिलाकर कार्य किया था। उनकी मेहनत एवं लान को देखते हुए सम्मान के रूप में सरकार द्वारा उन्हें पांच-पांच हजार रुपये की

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सतपाल शर्मा, डॉक्टर भूपेंद्र, डॉक्टर रोबिन, योगाचार्य बलदेव, बिजेन्द्र, नरेंद्र कुमार, पुष्पा देवी, अमित कुमार, दीपक सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर किया मंथन

झज्जर। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों एवं कर्मचारी फेडरेशनों के आह्वान पर आगामी 11 जुलाई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने के लिए शहीद मान सिंह स्मारक में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता संयुक्त रूप से सीआईटीयू जिला सचिव किरण, सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान रामबीर व रिटायर्ड कर्मचारी संघ के कोषाध्यक्ष विष्णु जांगड़ा तथा हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के जिला संयोजक नरेश कुमार ने की। बैठक का संचालन नगर पालिका सफाई कर्मचारी यूनियन के इकाई प्रधान शिवम ने किया। इस दौरान कर्मचारी नेताओं ने स्कूल मर्ज करने, गलत रेशोलाइजेशन, अधूरी नयी शिक्षा नीति, कच्ची भित्तियां, परियोजना के कर्मचारियों का पूरा लाभ तथा आत्मसम्मान दिखाना, हरियाणा रोजगार कोशल निगम को

बच्चों ने पानी में किया योगाभ्यास विद्यार्थियों के लिए हुई ऑनलाइन योग प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज झज्जर

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर स्थानीय ब्लू बर्ड स्वीमिंग एकेडमी में बच्चों ने पानी में खड़े होकर योगाभ्यास किया। स्वीमिंग कोच एक्स नेवी प्रवीण सहरावार, कोच एक्स नेवी अमित कुमार और कोच एक्स नेवी जितेंद्र बांगड के नेतृत्व में तैराकी का प्रशिक्षण ले रहे बच्चों को योगाभ्यास करवाया गया। कोच प्रवीण सहरावार ने बताया कि पानी में रहकर योग करने की इस क्रिया का



झज्जर। पानी में योगाभ्यास करते हुए बच्चे। फोटो: हरिभूमि

लंबाई बढ़ती है, वहीं स्टेमिना भी दुरुस्त होता है। उन्होंने कहा कि एक्वा योग शरीर को नई ऊर्जा प्रदान करता है। इस दौरान बच्चों ने विभिन्न योगाभ्यास किए और भारत माता के जयकारे भी लगाए।

हरिभूमि न्यूज झज्जर

इंडो अमेरिकन स्कूल में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न योगासन प्रस्तुत किए गए। स्कूल निदेशक बिजेन्द्र काटियान ने बताया कि योग प्रदर्शन प्रतियोगिता परिणामों में नर्सरी कक्षा से जिन्या ने प्रथम, हनित ने द्वितीय व प्रियांश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। एलकेजी में जियांशी प्रथम व रुद्र शर्मा द्वितीय रहे। यूकेजी



झज्जर। ऑनलाइन प्रतियोगिता में योग प्रदर्शन करता हुआ विद्यार्थी।

स्टेट चैंपियनशिप में स्वाति व मुस्कान ने जीते मेडल

हरिभूमि न्यूज बहादुरगढ़

राज्य स्तरीय अखाड़ा प्रतियोगिता में असौदा स्थित छोट्टाराम अखाड़े की पहलवान छाईं रहीं। शानदार प्रदर्शन करते हुए अखाड़े की दो महिला पहलवानों ने मेडल जीते। अखाड़े में इनका अभिनंदन किया गया। पंचकूला में यह इंटर अखाड़ा स्टेट चैंपियनशिप हुई थी। प्रदेशभर के पहलवानों ने इसमें दमखम दिखाया। गांव आसौदा स्थित छोट्टाराम अखाड़े की पहलवान स्वाति रहिल और मुस्कान दलाल ने भी जोर



बहादुरगढ़। कोच के साथ पदक विजेता पहलवान। फोटो: हरिभूमि

में गोल्ड मेडल हासिल किया। वहीं 68 केजी में मुस्कान दलाल ने ब्रांज मेडल पर कब्जा जमाया। इनकी जीत पर परिजनों, कोच रवींद्र दलाल ने खुशी जताई है। कुरती प्रेमियों ने दोनों विजेताओं का अभिनंदन किया और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। कोच रवींद्र उर्फ महाके ने कहा कि दोनों पहलवान बेहद होनहार हैं। इससे पहले भी लगातार जीत दर्ज कर इलाके का नाम रोशन कर चुकी हैं। एक दिन बड़े स्तर पर देश के लिए मेडल जीतेंगी।

तैराकों ने स्विमिंग पूल में किया योग

झज्जर। स्विमिंग पूल के अंदर योग करते अनिल खत्री व अन्य तैराक।



बहादुरगढ़। स्विमिंग पूल के अंदर योग करते अनिल खत्री व अन्य तैराक।

योग की महत्ता और स्वस्थ रहने का मंत्र दिया। इस मौके पर सुरेश जून, कोच साई जाधव, पदमपाल, बंटी, विशाल और मुरली भी मौजूद रहे।

सड़क पर गंदगी फैलने से परेशानी

हरिभूमि न्यूज बहादुरगढ़

वार्ड-31 में जलभराव व गंदगी की समस्या गहराई गई है। गंगा पानी वेस्ट जुआं ड्रेन मार्ग पर बहने से हादसे की भी आशंका बनी हुई है। कई बार शिकायत करने के बाद भी समाधान न होने से लोग परेशान हैं। शनिवार



बहादुरगढ़। गंदगी दिखाते सिंकर व वाईवासी। फोटो: हरिभूमि

को लोगों ने इकट्ठे होकर नाराजगी जताई। पार्षद प्रतिनिधि सिंकर ने बताया कि बीते तीन साल से वेस्ट जुआं ड्रेन पर दोनों तरफ से गंगा पानी बहता है। गंदगी फैल जाती है। इस कारण दुर्घटनाएं होती रहती हैं। कई बार शिकायत कर चुके हैं लेकिन नगर परिषद और पब्लिक हेल्थ के अधिकारी एक-दूसरे की जिम्मेदारी बताकर पल्ला झाड़ रहे हैं। जिस कारण लोग परेशान हैं। यदि जल्द ही समाधान नहीं हुआ तो हम लोग धरना देने को मजबूर होंगे। सुदर्शन, साहिल, राम, संतोष, साहिल, लाजो, प्रभु, सुमित्रा, सुशीला, काजल, मुनी आदि इस अवसर पर मौजूद रहे।

अंशु व शगुन ने राष्ट्रपति को दी बधाई

हरिभूमि न्यूज बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। रणबीर सिंह मॉडल स्कूल के दो विद्यार्थियों ने देहरादून में महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के उनके जन्मदिन पर मुलाकात कर बधाई दी। तीसरी कक्षा के अंशु और छठी कक्षा की शगुन ने राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान पूरे विद्यालय की ओर से उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति ने दोनों द्वारा भेंट किए पुष्पगुच्छ को सम्मानन स्वीकार किया और दोनों बच्चों को आशीर्वाद दिया। दोनों छात्रों के लिए यह प्रेरणादायक व सदा स्मरणीय अनुभव रहेगा।

वार्ड-31 में जलभराव व गंदगी की समस्या गहराई हुई है। गंगा पानी वेस्ट जुआं ड्रेन मार्ग पर बहने से हादसे की भी आशंका बनी हुई है। कई बार शिकायत करने के बाद भी समाधान न होने से लोग परेशान हैं। शनिवार

विधायक ने किया जल निकासी के कार्य का नारियल फोड़कर शुभारंभ

50 लाख में होगा जलभराव का समाधान

हरिभूमि न्यूज बहादुरगढ़

गांव लोवा खुर्द, नूना माजरा व देशलपुर के मुख्य रोड पर जलभराव की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होने जा रहा है। इसके लिए स्कूल के पीछे जोहड़ी पर दीवार बनाई जाएगी और ब्लाक बनाकर नाले के माध्यम से जलनिकासी का काम होगा। विधायक राजेश जून ने जल निकासी के कार्य का नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। विधायक राजेश जून ने बताया कि दोनों गांव

की यह जलनिकासी समस्या 15-20 साल पुरानी थी। गांव का सारा गंगा पानी लड़कियों के स्कूल के पीछे जोहड़ी में भरा रहता था। बरसात में यह गंगा पानी स्कूल से लेकर सड़क तक भर जाता था। जिस कारण छात्राओं को स्कूल में आने-जाने तथा ग्राम वासियों को इस सड़क से आवागमन करने में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता था। विधायक राजेश जून ने गंदे पानी की जलनिकासी के लिए 50 लाख रुपये की ग्रांट मंजूर करवाई। जलनिकासी का कार्य पूरा होने के बाद दोनों गांव के निवासियों तथा स्कूल में पढ़ने वाली बेटियों को जलभराव की समस्या से परेशान नहीं होना पड़ेगा।



बहादुरगढ़। जलनिकासी के काम का नारियल फोड़कर शुभारंभ करते विधायक राजेश जून।

कवर स्टोरी

संजय श्रीवास्तव

पालतू जानवरों से बढ़ता लगाव

देश में उभरता नया पेट कल्चर



हाल के वर्षों में महानगरों से लेकर छोटे शहरों और कस्बों में रहने वालों में भी पेट कल्चर यानी पालतू जानवरों के प्रति लगाव तेजी से बढ़ रहा है। यही वजह है कि इससे जुड़े बाजार में भी वर्ष दर वर्ष हजारों करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हो रही है। समाज में आ रहे इस बदलाव के लिए जीवशास्त्री, सामाजिक प्रतिष्ठा और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी अनेक वजहें जिम्मेदार हैं। इन वजहों पर एक नजर।

पिछले पांच सालों में अपने देश में पालतू जानवरों के पालने के ट्रेंड में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हुई है। पालतू पालनहारे पचास फीसद बढ़ गए हैं। इससे संबंधित बाजार भी बेतहाशा बढ़ा है। इसके साथ ही इस सिलसिले में कई नवाचार भी सामने आए हैं। इस नए 'पेट कल्चर' के पीछे कई तरह के सामाजिक बदलाव काम कर रहे हैं।

लगातार बढ़ रहा बाजार

गौरतलब है कि देश में पालतू पशु-पक्षियों की खरीद-फरोख्त से जुड़ा दस हजार करोड़ रुपए के आस-पास का बाजार अगले दो बरस तक तकरीबन 14 हजार करोड़ तक और 2032 तक अनुमान है कि 21,000 करोड़ रुपए से ऊपर पहुंच जाएगा। यह उम्मीद इसलिए कि बीते एक दशक से छोटे-बड़े भारतीय शहरों और कस्बों में पालतू जानवर पालने का ट्रेंड और तेज बेतहाशा बढ़ा है और 16 फीसदी से ज्यादा की अप्रत्याशित ऊंची दर से बढ़ता ही जा रहा है।

बढ़ रहे हैं पेट लवर्स

वेशक देश में पालतू जानवर रखने वालों यानी पेट लवर्स की संख्या बढ़ रही है। देश में तकरीबन 35 करोड़ पंजीकृत पालतू जानवर हैं। साल दर साल इसमें 12 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हो रही है। इनसे कई गुना गैर

पंजीकृत पालतू जानवर हैं और उनकी बढ़त दर इससे दोगुनी होनी तय है। संबंधित सर्वेक्षण बताते हैं कि धनवानों के बड़े आलीशान घरों में ही नहीं निम्न मध्यम वर्ग के छोटे घरों में भी

बदलाव आया है, जिसने उसे इस ओर स्वतःस्फूर्त प्रेरित किया है।
विदेशों में भी बढ़ रहा ट्रेंड
भारत ही नहीं दुनिया भर में जबर्दस्त पेट कल्चर विकसित हो रहा है। भारत समेत कई दूसरे एशियाई देशों में भी पिछले पांच बरसों में 50 फीसद पालतू बढ़ गए हैं। आज दुनिया में एक अरब से अधिक पालतू जानवर हैं। 52 फीसद लोगों के घर में कोई न कोई पालतू जानवर है। अमेरिका, ब्राजील, यूरोपीय संघ और चीन मिलकर संसार के आधे पालतू कुत्ते और बिल्ली रखते हैं। इस साल चीन दुनिया में सबसे ज्यादा पालतू जानवर वाला देश बन गया है। नया 'पेट कल्चर' सुर्खियों में है और इस पर वैश्विक चर्चा चल पड़ी है कि आखिर आधे दशक के भीतर ऐसे कौन से सामाजिक, आर्थिक बदलाव आए हैं कि पालतू जानवरों का बाजार बेतहाशा गिर पकड़ गया?

विविध नस्लों के कुत्ते, बिल्ली, पक्षी वगैरह पल रहे हैं। वे अपने अनुरूप पालतू जानवरों को प्राथमिकता दे रहे हैं। अपने देश में कुत्ता सबसे लोकप्रिय पालतू जानवर है, इनकी संख्या करोड़ों में है। अब बिल्ली का चलन भी बढ़ रहा है। लोग मैना, खरगोश, कबूतर, मछलियों के अलावा कछुए और विदेशी पक्षियों को भी पाल रहे हैं। यह चलन छोटे-बड़े शहरों, कस्बों में जिस तरह बढ़ चला है, वह कतई कम होता नहीं दिखता। लोग शौकिया तौर पर पशु-पक्षी पहले भी पालते थे पर अचानक इसमें अप्रत्याशित बढ़ोतरी कुछ चौंकाती है। हर वर्ष छह लाख से अधिक नए लोग पालतू जानवर पालक बन रहे हैं तो निश्चित ही समाज के आचार, विचार, कार्य व्यवहार में कोई ऐसा

विकास में पालतू जानवरों की भूमिका को समझते हुए उन्हें उनके साथ विकसित होने का मौका दे रहे हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया पर पालतू जानवरों से जुड़ी सामग्री लोगों को इन्हें अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है। धनिकों के मुहल्लों के अलावा 'पेट कल्चर' उन जगहों पर ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है, जहां 'मध्यम वर्ग' का विस्तार हो रहा है। एक तो पालतू जानवरों के प्रति नजरिया बदला है, कुछ पैसा आया है और अपने स्टेटस को बनाने, बनाए रखने, दूसरों से अलग दिखने के चक्कर में भी वे 'पेट कल्चर' की वृद्धि में सहयोग दे रहे हैं। नौकरी पेशा अकेला युवा, पालतू जानवर को अकेलेपन तथा मानसिक स्वास्थ्य की दवा मानता है, क्योंकि मनोचिकित्सक बताते हैं कि पालतू जानवर तनाव कम करने और खुशी बढ़ाने में मदद करते हैं। बुजुर्ग इसे बुढ़ापे के साथी के तौर पर ले रहे हैं। भारतीय अपने पालतू पर महीने में औसतन पांच हजार खर्चते हैं। हैसियत से बढ़कर व्यय करने में कोताही इसलिए नहीं बरतते, क्योंकि वे उन्हें परिवार का प्रिय सदस्य मानते हैं। सो इससे संबंधित बाजार छलंगा लगा रहा है और इसमें प्रतिस्पर्धा के चलते हर दिन नए उत्पाद, नवाचार इस क्षेत्र में शामिल हो रहे हैं। *

उत्पादों की तेजी और भारी मांग एवं इस दिशा में तकनीकी प्रयोगों तथा नवाचारों ने सबका ध्यान खींचा है।

पेट कल्चर बढ़ने की वजह

सर्वेक्षणों ने साबित किया है कि पेट कल्चर बढ़ने की बड़ी वजह, शहरी आबादी का बढ़ना, संयुक्त परिवार का टूटना है। फ्लैटों में रहने

वाले एकल परिवार अकेलेपन की दवा कुत्ते-बिल्लियों के साथ में तलाश रहे हैं। पालतूओं के अधिकतर मालिक 20 से 30 साल की आयु के 'मिलेनियल्स' हैं। इनमें से ज्यादातर छोटे परिवार, बेहतर या दोहरी आय, अच्छी शिक्षा वाले हैं, जो घर से काम करते हैं। वे देर से बच्चे पैदा करने, जीवनशैली में बदलाव के चलते पालतू पालते हैं। वे उन्हें मौज मजे, खेल का सामान नहीं, बतौर फैमिली मेंबर ट्रीट कर रहे हैं। ये पेट केयर उनके लिए माता-पिता बनने की ट्रेनिंग भी है। माता पिता बच्चों के मानसिक



विकास में पालतू जानवरों की भूमिका को समझते हुए उन्हें उनके साथ विकसित होने का मौका दे रहे हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया पर पालतू जानवरों से जुड़ी सामग्री लोगों को इन्हें अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है। धनिकों के मुहल्लों के अलावा 'पेट कल्चर' उन जगहों पर ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है, जहां 'मध्यम वर्ग' का विस्तार हो रहा है। एक तो पालतू जानवरों के प्रति नजरिया बदला है, कुछ पैसा आया है और अपने स्टेटस को बनाने, बनाए रखने, दूसरों से अलग दिखने के चक्कर में भी वे 'पेट कल्चर' की वृद्धि में सहयोग दे रहे हैं। नौकरी पेशा अकेला युवा, पालतू जानवर को अकेलेपन तथा मानसिक स्वास्थ्य की दवा मानता है, क्योंकि मनोचिकित्सक बताते हैं कि पालतू जानवर तनाव कम करने और खुशी बढ़ाने में मदद करते हैं। बुजुर्ग इसे बुढ़ापे के साथी के तौर पर ले रहे हैं। भारतीय अपने पालतू पर महीने में औसतन पांच हजार खर्चते हैं। हैसियत से बढ़कर व्यय करने में कोताही इसलिए नहीं बरतते, क्योंकि वे उन्हें परिवार का प्रिय सदस्य मानते हैं। सो इससे संबंधित बाजार छलंगा लगा रहा है और इसमें प्रतिस्पर्धा के चलते हर दिन नए उत्पाद, नवाचार इस क्षेत्र में शामिल हो रहे हैं। *

विकास में पालतू जानवरों की भूमिका को समझते हुए उन्हें उनके साथ विकसित होने का मौका दे रहे हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया पर पालतू जानवरों से जुड़ी सामग्री लोगों को इन्हें अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है। धनिकों के मुहल्लों के अलावा 'पेट कल्चर' उन जगहों पर ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है, जहां 'मध्यम वर्ग' का विस्तार हो रहा है। एक तो पालतू जानवरों के प्रति नजरिया बदला है, कुछ पैसा आया है और अपने स्टेटस को बनाने, बनाए रखने, दूसरों से अलग दिखने के चक्कर में भी वे 'पेट कल्चर' की वृद्धि में सहयोग दे रहे हैं। नौकरी पेशा अकेला युवा, पालतू जानवर को अकेलेपन तथा मानसिक स्वास्थ्य की दवा मानता है, क्योंकि मनोचिकित्सक बताते हैं कि पालतू जानवर तनाव कम करने और खुशी बढ़ाने में मदद करते हैं। बुजुर्ग इसे बुढ़ापे के साथी के तौर पर ले रहे हैं। भारतीय अपने पालतू पर महीने में औसतन पांच हजार खर्चते हैं। हैसियत से बढ़कर व्यय करने में कोताही इसलिए नहीं बरतते, क्योंकि वे उन्हें परिवार का प्रिय सदस्य मानते हैं। सो इससे संबंधित बाजार छलंगा लगा रहा है और इसमें प्रतिस्पर्धा के चलते हर दिन नए उत्पाद, नवाचार इस क्षेत्र में शामिल हो रहे हैं। *

रेशल: इंटरनेशनल डे अगेस्ट ड्रग एब्यूज एंड इलिमिटेड ट्रेफिकिंग, 26 जून

किसी भी परिवार, समाज और देश का भविष्य युवा पीढ़ी के कंधों पर टिका होता है। लेकिन विडंबना है कि बड़ी संख्या में युवा कूल बनने की वामक चाहत में नशे के जाल में फंसने की भूल कर बैठते हैं। ऐसे में जरूरी है युवा पीढ़ी नशे के जाल से बचे रहने का हर संभव प्रयास करे।



न करें कूल बनने की भूल नशे की लत से बचें युवा

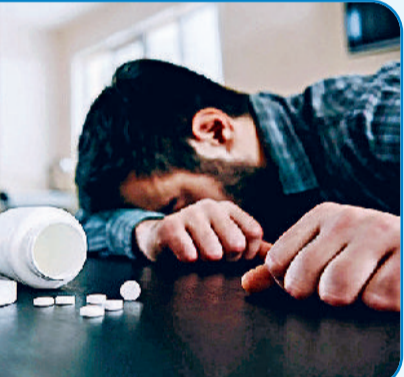
सोशल इश्यू डॉ. मोनिका शर्मा

अभी कुछ समय पहले सर्वोच्च न्यायालय ने युवाओं में बढ़ रही नशे की लत को लेकर चिंता जताते हुए कहा था, 'ड्रग्स का सेवन करना बिल्कुल भी 'कूल' नहीं है। यह खतरनाक है कि आज युवाओं के बीच इसका इस्तेमाल 'कूल' समझा जाने लगा है। यह लत दोस्ती का सबब बन गई है।' युवाओं की ही आम भाषा में चेतते हुए सुप्रीम कोर्ट के शब्द, आधुनिक जीवनशैली और नशा करने को जोड़कर देखने वाली मानसिकता पर चोट करने वाले हैं। न्यायालय की नसीहत, देश के युवाओं को जिंदगी के मगनदत अंदज के जाल में फंसने को लेकर चेतावनी है। साथ ही अजब-गजब छवि गढ़ने के फेर में नशे की लत का शिकार हो जीवन को बिखराव से बचाने की सीख भी लिए है।

पत्रिका 'ड्रग एंड अल्कोहल रिव्यू' द्वारा सेक्सुअल क्राइम और शराब के संबंध पर किए गए सर्वेक्षणों के मुताबिक सेक्सुअल क्राइम के लगभग आधे मामले नशे की हालत में ही होते हैं। ऐसे मामले भी सामने आ चुके हैं, जिनमें नशे के लती युवा चोरी, झूठ और जालसाजी के साथ ही परिवारजनों की जान तक लेने से नहीं चूके। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में शराब पीने मौत और अपाहिज होने का पांचवां सबसे प्रमुख कारण है।

परिवार-समाज को आगे आना होगा: नयायालय ने अपने निर्णय में यह भी कहा है कि 'नशे की लत सामाजिक-आर्थिक और मनोवैज्ञानिक मोर्चे पर युवा

नकारात्मकता से घिरता जीवन: जर्मनी जुड़ाव वाले भारतीय समाज में युवाओं की नई जीवनशैली चिंता का सबब बन गई। युवा पीढ़ी के दिखावटी-बनावटी होते बर्ताव से जुड़ी सबसे बड़ी चिंता नशीले पदार्थों के सेवन से जुड़ी है। महानगरों में ही नहीं दूर-दराज के गांवों में भी नशे का जाल फैल गया है, जबकि लत का रूप ले लेने वाली नशे की आदत जीवन के हर पहलु पर दुष्प्रभाव डालती है। ऊर्जावान आयुवर्ग में ही बीमारियों का शिकार बना देती है। परिवार का ही नहीं देश का भविष्य कहे जाने वाले युवाओं को सदा के लिए दिशाहीन कर देती है। नशीले पदार्थों का सेवन व्यक्तित्व, सामाजिक, आर्थिक और यहां तक कि मानवीय सोच पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। इस जाल में फंसे युवा नशीले पदार्थ खरीदने के लिए आपराधिक गतिविधियों तक का हिस्सा बन जाते हैं। हिंसात्मक व्यवहार, सड़क दुर्घटनाएं और स्वयं अपना जीवन खीन लेने जैसी समस्याओं से भी नशे की लत गहराई से जुड़ी है। सुप्रीम अदालत द्वारा भी ड्रग्स तस्करी के एक मामले को सुनवाई करते हुए युवाओं से समझदारी दिखाने की अपील करते हुए कहा गया कि 'गंजरस्टर्स को भी यह समझना होगा कि ड्रग्स के इस्तेमाल से दूर रहें और अपने विवेक का इस्तेमाल करें। ना केवल दोस्तों के दबाव में आकर ड्रग्स लेने की प्रवृत्ति से दूर रहें बल्कि उन लोगों को अनुसरण करने से भी बचें, जो इसकी लत के शिकार हैं।' यकीनन हर तरह की नकारात्मकता का घेरा कसने वाली इस आदत से युवाओं का दूर रहना ही उचित है।



इसलिए मनाते हैं यह दिवस

युवाओं में, ड्रग्स से होने वाले नुकसान की समझ और सजगता को बढ़ाने के लिए हर वर्ष 26 जून को इंटरनेशनल डे अगेस्ट ड्रग एब्यूज एंड इलिमिटेड ट्रेफिकिंग मनाया जाता है। यूनाइटेड नेशंस द्वारा 1989 से मनाया जा रहा यह दिव नशे के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोगों को स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह दिवस विशेष रूप से नशीले पदार्थों के दुरुपयोग से मुक्त दुनिया बनाने का संदेश देता है। समझना आवश्यक है कि लत की लत हर तरह से नुकसानदेह ही होती है। नशा चाहे जिस तरह से भी किया जाए, मन-जीवन ही नहीं परिवार, समाज और देश में भी बिखराव ही लाता है।

प्रभाव डालती है। यह देश के युवाओं की चमक को खत्म करने वाली चीज है। इस लत से बचाने के लिए अभिभावकों, समाज और एजेंसियों को गंभीर प्रयास करने होंगे। इस जाल को खत्म करने के लिए सभी अपने-अपने स्तर पर कोशिश करें। सुप्रीम अदालत ने यह भी कहा है कि 'इस समस्या से बचाव हेतु कुछ दिशा-निर्देश तय करने आवश्यक हैं। साथ ही यह भी सलाह दी है कि स्नैक और सपोर्ट से नशे के जाल में फंसे लोगों को निकालने के प्रयास किए जाएं। ड्रग्स की लत के शिकार लोगों के प्रति हमारा नजरिया उनको सुधारने वाला होना चाहिए।' *

आपराधिक गतिविधियों की बड़ी वजह: शोध



संकेतों की तो खबर रखते ही हैं, उनकी तात्कालिक लोकेशन भी बताते हैं, इसके लिए रिमोट केमरा मॉनिटरिंग सिस्टम भी आ रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाले हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के आगत का संकेत देकर उन्हें सचेत करते हैं। पालतू जानवरों के मालिक उनके लिए ऑनलाइन डिजिटल हेल्थकेयर सलिस तथा टेलीमैडिसिन सेवा के जरिए घर बैठे डॉक्टरों से सलाह ले सकते हैं। पालतूओं के इलाज हेतु स्टेम सेल थेरेपी जैसी आधुनिक चिकित्सा तकनीक का भी उपयोग हो रहा है।

स्वागत को तैयार बाजार-तकनीक

भारत का पेट केयर मार्केट संसार में सबसे तेज बढ़त वालों में से है। यह बाजार अभी 36 हजार करोड़ रुपए का है। अंदाजा है अगले तीन वर्षों में दोगुना और दस वर्षों में आठ गुना होगा। पालतू की देखभाल में ई-कॉमर्स की हिस्सेदारी 35 प्रतिशत पहुंचने जा रही है। व्यापक व्यावसायिक अवसर देख तमाम इंटरनेशनल ब्रांड, देशी स्टार्टअप इश्यर दौड़ पड़े हैं। पालतूओं के लिए रेस्टोरेंट, कैफे और पार्क जहां वे दूसरे जानवरों से मिल सकें, वूमिंग सेंटर, मॉल तो खुलने ही लगे हैं, ओपीडी तथा सर्जरी की बीमा सुविधा का बाजार भी साढ़े छह हजार करोड़ के करीब पहुंच गया है। ज्यादातर नए पालतू पालक मिलेनियल्स और जेन जेड हैं, जिन्हें अपने प्रिय पालतू के लिए किसी भी कीमत पर अगले उतपाद और बेहतर सेवाएं चाहिए। इसलिए साल दर साल बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए इस क्षेत्र का बाजार नित नए उत्पाद और सेवाएं प्रस्तुत कर रहा है। जीपीएस और सेंसर लगे स्मार्ट कॉलर पालतू जानवरों की गतिविधि, नींद के पैटर्न और स्वास्थ्य स्थिति को ट्रैक करते हैं, इसके लिए रिमोट केमरा मॉनिटरिंग सिस्टम भी आ रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाले हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के आगत का संकेत देकर उन्हें सचेत करते हैं। पालतू जानवरों के मालिक उनके लिए ऑनलाइन डिजिटल हेल्थकेयर सलिस तथा टेलीमैडिसिन सेवा के जरिए घर बैठे डॉक्टरों से सलाह ले सकते हैं। पालतूओं के इलाज हेतु स्टेम सेल थेरेपी जैसी आधुनिक चिकित्सा तकनीक का भी उपयोग हो रहा है।

कहानी / संजीव ताकुर

यह सुनते ही कि हम लोग यहां से चले जाएंगे, वह रो पड़ती है। उसे चुप कराना हमारे लिए मुश्किल हो जाता है। दो साल हुए हमारे नवगण्डिया आए। तब से आज तक एक भी दिन ऐसा नहीं हुआ, जब हमारे घर चाय बनी हो और उसे नहीं पिलाई गई हो। सुबह होते ही लाठी खटखटाते वह दरवाजे पर पहुंच जाती और तब तक दस्तक देती रहती, जब तक दरवाजा खोल नहीं दिया जाता। वह आती तो सबसे पहले भाषण देती, 'रोज-रोज कहते हैं सुबह उठा करो, घूमा करो लेकिन तुम मानते ही नहीं!' मैं झूठ बोलते हुए कहता, 'आने दो दूध वाले को, पूछ लेना, आज मैं सुबह-सुबह उसके घर गया था कि नहीं?' फिर कहता, 'लो चाय पियो।' वह चाय पीने लगती और बीच-बीच में अपने उपदेशों को पोहोली भी बोलती रहती। कभी कहती, 'आज पतोहू डाटी है। कल धकेल दी थी। रात में खाना भी नहीं दी।' हम उसे दिलासा देते हुए चुप कराते और खाने को कुछ न कुछ देते।

अंतहीन

उस बुढ़िया का उससे कोई रिश्ता-जाता नहीं था, लेकिन वह उनके घर की सदस्य जैसी घुल-मिल गई थी। अपना दुराष्ट्य सुनाती, बिना मांगे ही सलाह देती और खूब नोक-झोंक भी करती। एक अनाम मानवीय रिश्ते को उकेरती मार्मिक कहानी।



पड़ते थे। मैं कहता, 'बूढ़ी माया! तुम्हारा पति तुम्हें स्वर्ग बुला रहा है, जाओ!' वह कहती, 'भगवान की मर्जी, जब चाहे ले जाए।' मैं कहता, 'मैं भी तुम्हारे साथ चलूंगा।' वह कहती, 'धत! फिर क्या अल-बेला कहने लगे हो? तुम्हारा आंग-समांग बढ़िया रहे। तुम तीनों बाप-बेटा सुख से रहो। मरे तुम्हारा दुसमना।' 'अच्छा, वहां रेलवे लाइन पर बड़-गाछ में जो 'जख-बाबा' रहते हैं, वे क्या करते हैं?' एक धिसा-पिटा सवाल मैं करता तो वह कह उठती, 'अरे! बेटा, मत बोलो। नाम भी मत बोलो। ऊ बड़ा गुस्सेल देवता है-चलते गाड़ी को रोक देता है।' बुढ़िया को इस गंभीर बात से भी मैं हंसी की दो-चार फुलझड़ियां निकाल ही लेता था। मैं अगला प्रश्न करता, 'तुम्हारे पति क्या करते थे?' बुढ़िया जवाब देती, 'ऊ सरदार था। बजार का सब मोटिया का सरदार! सब सेठ लोग उसको मानता था। हमको भी पहचानता था। अगर न चलने-फिरने से लचार है। पहले तो घूमते थे। बाजार भी जाते थे।' 'अब यह बताओ सच-सच कि सिकंदर की पत्नी तुमको मानती है कि नहीं?' 'धत! ऊ कंकालिन हमरी पतोहू है? पता नहीं कौन खानदान है।...अरे! बेटा, कुछ मत बोलो! उसका भाय डकेट (डकेट) है। इधरो जेहल गया है।' 'और उसका बाप?' 'ऊ तो अच्छा है। टेलीफोन है। (टेलीफोन ऑफिस में काम करने के कारण बुढ़िया उसे टेलीफोन ही कहती है।) आता है तो

अपने बेटे से कहता है-बूढ़ी माय को सताओ नहीं। इसे अच्छा से रखो। मगर कहा मानती है?' 'जानती हो, पापा की बदली छपरा और सिकंदर की बदली पंजाब हो गई है! किसी दिन झूठ-मूठ का कह देने पर बुढ़िया भड़क जाती, 'तुम्हारे छपरा-खपड़ा आ पंजाब-तंजाब में क्या करेगा वहां जाकर... काहे करता है बदली?' 'अरे! बदली तो साहब करते हैं।' 'एह! साहब-ताहब! मिले तो मू नोच लें।' इतने में मेरा छोटा भाई राजू आता और कहता, 'दादी! जानती हो, भायजी की शादी ठीक हो गई है।' बुढ़िया पूछ बेटी, 'हां... बेटा सच कहते हो?' मैं कहता, 'बिल्कुल! लड़की बहुत सुंदर है-एकदम तुम्हारे जैसी!' 'हमारे जैसी? काहे मजाक करते हो बेटा! हम तो काली-कौयली, बिलाय के नोचली हैं।' बुढ़िया कहती तो राजू किसी फिल्मी हीरोइन का फोटो ले आता। फोटो देखकर वह कहती, 'अच्छी तो है, मगर ई फुलपेंट काहे पहनी है? इसका बाल एतना छोटा काहे है?' मैं कहता, 'अच्छा छोड़ो, बारात में तो चलोगी न?' 'हम कैसे जाएंगे? हम तो लंगड़ी हैं!' 'मैं तुम्हें दवाई दे दूंगा दर्द ठीक होने का।' 'खाली टगते हो! कितने बार बोले, भागलपुर से दवाई लेते आना- वहां का अच्छा होता है। लाते न हो।' 'अच्छा इस बार आऊंगा तो लेता आऊंगा। उजली वाली दवाई लेता आऊंगा।' 'नहीं, लाल वाला लाना। वही दवा अच्छा होता है।' बुढ़िया के मन में यह बात बैठ गई है कि सिर्फ लाल वाली दवाई से ही उसकी हड्डी का दर्द, जो कि बहुत दिनों से उसके पैरों में है, छूट सकता है। पर मैं कहां-कहां बिना नाम की लाल दवाई दूँदा फिरू? और मैं जानता हूं, अब इस अवस्था में उसका दर्द ठीक नहीं होगा। उसके हरेक दर्द की एक ही दवा है- मृत्यु!...मौत!...मौत! उसका आनी है, बुढ़िया को भी आएगी। पर इसकी मृत्यु पर इसके घरवालों को जितनी खुशी होगी, उतना ही दुख मेरे घरवालों को होगा। इसकी मौत पर मेरे घर का एक-एक सदस्य आंसू बहाएगा- उता मेरे, क्योंकि मेरी आंखें तब पथर की हो जाएंगी और वहने को उतावले आंसुओं की बाढ़ को रोक कर मेरे पूरे शरीर में फैला देंगी जो कि खोलते हुए पानी के समान मेरे शरीर के अंदर अंतहीन वेदना सृजित करेगी- अनंत वेदना! *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और शिश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालिपर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।
किस उम्र के लिये यह विकल्प है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।
एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में ही होता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।
कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।
इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अथ तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।
इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।
क्या यह स्ट्रेचेंड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक थ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशिष्ट मशीन की निगरानी में किया जाता है।
Advt...
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाधर हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेंटर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पिटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालिपर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
सम्पर्क - 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

धार्मिक-सांस्कृतिक समरसता की मिसाल सिंधु दर्शन महोत्सव



इतिहास, धार्मिक आस्था और संस्कृति का अनूठा संगम है सिंधु दर्शन महोत्सव। लद्दाख के लेह में सिंधु नदी के तट पर आयोजित होने वाले इस वार्षिक महोत्सव में भारत की वैविध्यपूर्ण संस्कृति की झलक देख सकते हैं। आगामी 23 से 26 जून तक आयोजित होने वाले इस सांस्कृतिक महोत्सव की विशिष्टताओं पर एक नजर।

लाया जाता है और उस पवित्र जल को सिंधु नदी में विसर्जित किया जाता है। इस तरह समस्त भारत की नदियों से जल मिलाकर सिंधु को भारत की पवित्रतम नदी बनाकर उसे पूजा जाता है।

आयोजन की विशेष व्यवस्था: इस महोत्सव के लिए लद्दाख में एक विशेष परिसर निर्मित किया गया है। इस परिसर में 500 लोगों के बैठने का एक सभागार, एक ओपन थिएटर, एक एग्जीबिशन गैलरी, एक संगीत कक्ष और एक छोटी सी



साड़ी पूजा-अर्चना करते हैं और अपने फलने-फूलने में तरह-तरह से योगदान देने के लिए उसके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं।

विविध संस्कृतियों की झांकी: इस महोत्सव में देश के अलग-अलग कोनों से अलग-अलग संस्कृतियों की विशिष्ट मंडलियां अपनी उपस्थिति दर्शाकर गौरव और आनंद महसूस करते हैं। इस उत्सव के दौरान सिंधु नदी की पूजा-अर्चना की जाती है। फिर देश के अलग-अलग कोनों से आए कलाकार अपने-अपने क्षेत्र के विशिष्ट सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन करते हैं।

पवित्र नदियों के जल का संगम: इस महोत्सव में भारत की समस्त महान और पवित्र नदियों से मिट्टी के घड़ों में भरकर जल

सांस्कृतिक उत्सव धीरज बसाक

सिंधु दर्शन महोत्सव, जैसा कि इसके नाम से ही पता चलता है, सिंधु नदी से जुड़ा एक उत्सव है। आज भारतीय संस्कृति के गौरव का प्रतीक बन चुका यह सिंधु दर्शन महोत्सव, साल भर पर मनाया जाता है। महज 29 सालों में इस महोत्सव ने भारत के कोने-कोने में अपनी सांस्कृतिक धमक पहुंचाई है।

सांस्कृतिक-ऐतिहासिक महत्वा: सिंधु नदी का भारत के धर्म और संस्कृति में जो महत्व है, वह तो है ही। इसकी एक ऐतिहासिक और भौगोलिक महत्ता भी है। आज हम सब जिस हिंदू या हिंदुस्तान जैसी आइडेंटिटी को जानते हैं, दरअसल उसका उद्गम स्रोत सिंधु ही है। लेह के लेह शे मनाला (लेह से मनाली के बीच का मार्ग) में आयोजित यह महोत्सव हिमालय की खूबसूरती और भौगोलिक सुंदरता के कारण भी भारत की ऐतिहासिकता और भौगोलिकता का गौरव उत्सव माना जाता है।



ऐसे हुई थी शुरुआत: इस महोत्सव की शुरुआत सिंधी समुदाय के 'सिंधु दर्शन अभियान' से हुई, जो अब 'सिंधु दर्शन महोत्सव' के नाम से जाना जाता है। लेह कस्बे से करीब 15 किलोमीटर दूर शाय नामक स्थान पर इस महोत्सव का

धार्मिक ही नहीं अखंडता का संदेश भी है अमरनाथ यात्रा

अगले महीने से आरंभ हो रही वार्षिक धार्मिक अमरनाथ यात्रा की तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। आस्था के साथ अखंड भारत का संदेश लिए इस बार की यात्रा कई मायने में विशिष्ट है।



तीर्थयात्रा एन.के. अरोड़ा

हलगाम आतंक हमले के बाद कई लोगों को लग रहा था कि इस साल अमरनाथ यात्रा के लिए बहुत कम लोग जाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। चंडीगढ़, मोहाली और कई दूसरी जगहों पर इस यात्रा को लेकर पिछले सालों के मुकाबले कई गुना ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए। मोहाली में 2023 के मुकाबले 50 फीसदी से ज्यादा रजिस्ट्रेशन बढ़ा। 15 दिनों में 550 से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए, जबकि पहले इतने रजिस्ट्रेशन 5 से 6 सप्ताहों में हुआ करते थे।

कम नहीं हुआ उत्साह: वास्तव में इस बार देश के कई हिस्सों में लोगों ने आतंकवाद से प्रतिरोध के तौर पर भी अमरनाथ यात्रा जाने का निश्चय किया। क्योंकि कई श्रद्धालु इस बात से भी इस साल की यात्रा के लिए प्रेरित हुए हैं कि यह धार्मिक सेवा से कहीं ज्यादा देश सेवा होगी। बिहार से लेकर बंगाल तक कई लोगों ने यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन कराते हुए साफ कहा, 'मैं डरता नहीं हूँ, हमारी सेना मजबूत है।' इन लोगों का यह भी कहना है कि इस तरह के हादसे हमारी यात्रा को प्रभावित नहीं करते और यह सच भी है। वास्तव में अमरनाथ यात्रा भले सदियों से हो रही हो, लेकिन इस साल की अमरनाथ यात्रा का बहुत ऐतिहासिक महत्व है। इस साल की अमरनाथ यात्रा दूसरे सालों से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। क्योंकि 22 अप्रैल 2025 को घटना से एक तरह से लोगों को मानसिक रूप से डराने की कोशिश की गई थी। लेकिन इसके बाद भी जिस तरह से लाखों श्रद्धालु यात्रा के लिए आगे आ रहे हैं, वह अपने आप में आतंक के खिलाफ एक धार्मिक प्रतिरोध की मिसाल है। खासतौर पर पंजाब, यूपी, दिल्ली, महाराष्ट्र और बिहार राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने रजिस्ट्रेशन कराकर आतंकवाद को मुंहतोड़ चुनौती दी है।

यात्रा की प्राचीन परंपरा

अमरनाथ यात्रा का इतिहास बहुत पुराना है। इसके प्रमाण शिव पुराण जैसे धार्मिक ग्रंथों में मिलते हैं। भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरकथा सुनाने के लिए जिस स्थान का चयन किया था, वह अमरनाथ गुफा ही थी। अगर इस यात्रा को ऐतिहासिक दृष्टि से देखें तो पहली बार इसका उल्लेख 11वीं सदी में कश्मीरी इतिहासकार कल्हण के राजतरंगिणी में मिलता है।



प्रशासन और धार्मिक संगठनों ने भी लगातार संदेश दिया है कि आतंकवाद के आगे आस्था घुटने नहीं टूट सकती। इस साल की यात्रा इसलिए ऐतिहासिक है, क्योंकि यह दिखाएगी कि कश्मीर घाटी में आम लोगों की सोच आतंक के खिलाफ बदल रही है और धार्मिक सहिष्णुता को नया समर्थन मिल रहा है।

डरे नहीं तीर्थयात्री: भक्तों की आस्था का ही बल है कि कितना भी उन्हें डराने का प्रयास किया जाता रहा हो लेकिन देश के लोगों ने कभी भी अमरनाथ की यात्रा करना नहीं छोड़ा, क्योंकि अमरनाथ यात्रा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि देश के आत्मबल का संदेश भी है। इसलिए अगर 2025 की यात्रा पिछले सालों से कहीं ज्यादा श्रद्धालुओं से भरी-पूरी हो तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। *

बिहेवियर शिखर चंद जैन

अनिकेत बेहद भावुक युवक है। कोई उसकी जरा सी बुराई कर दे या उसके काम में कमी निकाल दे तो वह घंटों तक उदास रहता है। उसका मूड ऑफ हो जाता है और रूटीन पूरी तरह डिस्टर्ब हो जाता है। जबकि उसका बेस्ट फ्रेंड दीपाशु उसे हमेशा समझाता है कि हर किसी की बात को दिल पर नहीं लेना चाहिए। हमें खुद की प्रतिभा और निर्णय क्षमता पर विश्वास रखना चाहिए। दूसरों द्वारा कही गई बातों को दिल से लगाकर बैठने के बजाय अगर हम खुद में कुछ सकारात्मक बदलाव लाएं तो इस तरह के सिचुएशंस को आसानी से हैंडल कर सकते हैं।

अहंकार ना करें: कई बार लोग स्वयं को परफेक्ट और किसी भी प्रकार की कमी से ऊपर मानते हैं। ऐसे में कोई कुछ कह दे तो उनके अहं पर चोट पहुंचती है। 'अमुक व्यक्ति की हिम्मत कैसे हुई मुझे ऐसा कहने की?' क्या वह जानता नहीं कि मैं कौन हूँ? इस तरह के भाव और विचार उसे उद्बलित कर देते हैं। ऐसे में वह व्यक्ति स्वयं के व्यर्थ अहंकार पर काबू पा ले और समझ ले कि दुनिया में कोई भी परफेक्ट नहीं होता, तो किसी के द्वारा की गई छोटी-छोटी आलोचनाओं पर वह दु:खी नहीं होगा।

लोगों का काम है कहना: एक मशहूर फिल्मी गीत है 'कुछ



तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना।' अगर कोई बेवजह, सिर्फ आपकी नीचा दिखाने या दु:खी करने के लिए आपमें कमियां निकाले तो ऐसी सिचुएशन में इस लोकप्रिय गीत को अपना मूल मंत्र बना लीजिए। अगर कोई आपकी आलोचना करे तो उत्तेजित होकर उससे उलझने के बजाय उसे तर्कपूर्ण जवाब दें। हो सके तो उसे नजरअंदाज करें।

चर्चा से मतभेद दूर करें: धैर्य रखना और भावनाओं की अभिव्यक्ति का सही तरीका मालूम होना, बेहद जरूरी

जब भी कोई हमारी आलोचना या बुराई करता है तो बुरा लगता ही है। लेकिन हर छोटी-छोटी बात पर बुरा मानकर रिपव्ट करना या उदास होना सही नहीं। ऐसे में क्या करें, आपको जरूर जानना चाहिए।

क्या करें, जब कोई करे आलोचना

कौशल है। कोई व्यक्ति आपसे विरोध जताता है या आपकी आलोचना करता है तो उसे पूरी तरह नकारने की बजाय बैठकर चर्चा करें। अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखते हुए उसकी बात पर विचार करें और उसके द्वारा की जा रही आलोचना के निश्चित बिंदुओं पर उससे विमर्श करें। यहां विमर्श का उद्देश्य उसे फटकारना, दुकारना या नीचा दिखाना नहीं बल्कि उसके द्वारा की जा रही आलोचना की वजह और उसके मन को समझना होना चाहिए। यहां आपको यह भी समझना होगा कि कहीं आलोचक के मन में आपके प्रति कोई दुर्भावना तो नहीं। अगर ऐसा है तो आप तर्कों के सहारे भी उसे अपनी बात नहीं मनवा सकेंगे। इसलिए कोई कोशिश करना ही व्यर्थ होगा।

फीडबैक के लिए कहें थैंक्स: अकसर लोग पूर्वाग्रह की वजह से किसी निष्पक्ष आलोचक की हर बात को



नकारात्मक रूप में ले लेते हैं। जबकि कई बार सामने वाला इंसान हमें हमारी वास्तविक कमियां इसलिए बताता है, ताकि हम अपनी कमियों को दूर कर और अधिक बेहतर कर सकें।

मिली। इस पॉपुलैरिटी को कैसे देखती हैं आप? मैंने जब से 'पंचायत सीजन 1' किया है, मुझे दर्शक उस समय से 'मंजू देवी' के नाम से जानने लगे हैं, यह मेरी नहीं मंजू देवी किरदार की पॉपुलैरिटी है। मैं देश के किसी भी कोने में जाऊं, मुझे देखकर दर्शक मंजू देवी नाम से पुकारने लगते हैं। हर वर्ग के दर्शकों का प्यार मेरे इस किरदार 'मंजू देवी' को मिला और मिल रहा है।

आपने 'पंचायत' में नेता का किरदार निभाया है, क्या कभी वास्तविक जीवन में आपको नेता बनने का यानी राजनीति में आने का ऑफर मिला है? हां, मुझे राजनीति में शामिल होने का कई बार ऑफर मिला, लेकिन मैंने मना कर दिया। मुझे राजनीति की कोई समझ-बूझ नहीं है, तो वहां जाकर मैं करूंगी क्या? लेकिन जहां तक इस शो 'पंचायत' की बात है, मैंने इस शो में नेता बनना, बड़ा एंजॉय किया।

आपने अपने एक्टिंग करियर में कई तरह के किरदार निभाए हैं। क्या आप कभी नेगेटिव किरदार में भी नजर आएंगी? बिल्कुल नहीं! कभी भी नहीं! मैंने अब तक के अपने करियर में सिर्फ एक ही बार नेगेटिव किरदार किया, जिसका मेरे करियर पर

ऐसे में खुले मन से बातें सुनकर आप किसी के द्वारा दिए गए फीडबैक को अपनी बेहतरि के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। आपको फीडबैक देने वाले के प्रति कृतज्ञता भी जाहिर करनी चाहिए। आपके इस एटीट्यूड से लोगों को लगेगा कि आप उनके दिए हुए फीडबैक से चिढ़ते नहीं हैं बल्कि शांत भाव से सुनते हैं। तभी वे आगे भी आपके सामने अपनी राय बेबाकी और निष्पक्षता से जाहिर करेंगे।

ये चार स्टेप्स हैं जरूरी: जब कोई आपकी आलोचना करे तो आप उसी बलाय जा रहे चार स्टेप्स को फॉलो करके आलोचना के नकारात्मक प्रभाव से बच सकते हैं।

- ▶ आलोचक को जवाब देने से पहले शांत होकर बैठ जाएं। अगर कुछ कहना चाहते हैं तो शब्दों के चयन में नरमी बरतें।
- ▶ अपने प्रति किसी की आलोचनात्मक बातें सुनकर गुस्सा आ जाए तो तुरंत रिपव्ट ना करें। सोच-समझ कर बाद में जवाब दें।
- ▶ अपने रूटीन को किसी आलोचक की वजह से बाधित न होने दें। ध्यान रहे, किसी के विचार आप पर इतने हावी ना हों कि वह आपको डिस्टर्ब कर दें।
- ▶ आमतौर पर आप बुराई करने वालों को इग्नोर करने की नीति अपनाएं। लेकिन पानी सिर से ऊपर निकल जाए तो स्थिति रूप से कह दें- कृपया आप मेरे बारे में कोई टिप्पणी न करें। *

अपने करियर के व्यस्ततम और सफलतम दौर से गुजर रही नीजा गुप्ता अभिनीत 'पंचायत' वेब सीरीज का चौथा सीजन 24 जून को प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाला है। इस मौके पर इस सीरीज के पहले के सीजनों की सक्सेस, करियर और पर्सनल लाइफ से जुड़ी नीजा से लंबी बातचीत हुई। प्रस्तुत है नीजा गुप्ता से हुई उस बातचीत के प्रमुख अंश।

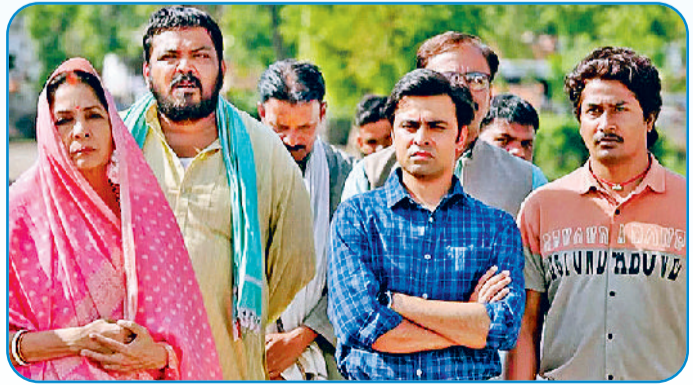
मैं नेगेटिव किरदार कभी नहीं निभाऊंगी : नीजा गुप्ता

खास मुलाकात / पूजा सावंत

'पंचायत-सीजन 4' रिलीज हो रही है। 'पंचायत' के इस सीजन में ऐसा क्या नया होगा, जो पहले 3 सीजन में नहीं था?

मैं बतौर लीड आर्टिस्ट इस पॉपुलर वेब सीरीज का शुरू से हिस्सा रही हूँ। इसके मेकर हैं अमेर्जन प्राइम हर लेखक हैं चंदन कुमार। चंदन कुमार ही हर सीजन में अपनी कलम से इसे एक नया आयाम देते हैं। इसलिए 'पंचायत 4' में क्या नया फ्लेवर होगा, यह तो चंदन कुमार ही बता सकते हैं। हां, मैं इतना जरूर कह सकती हूँ कि इस बार यह काफी बूमरस है। सेट पर कई घंटे का ऐसा हुआ कि निर्देशक विजय वर्गीय और दीपक कुमार मिश्रा को शूटिंग रोकनी पड़ती थी, क्योंकि सेट पर मौजूद हम सभी हंस-हंस कर लोट-पोट हो जाते थे।

'पंचायत' के अब तक के सभी सीजन में आपके को-एक्टर जितेंद्र कुमार रहे हैं। उनके बारे में कुछ बताइए। जितेंद्र कुमार से तो फिल्म 'शुभ मंगल सावधान' के दौरान ही अच्छी दोस्ती हो गई थी। उस वक्त शूटिंग के लिए हम



'पंचायत' के एक दृश्य में जितेंद्र कुमार एवं साथी कलाकारों के साथ नीजा गुप्ता

दोनों बनारस के एक ही होटल में रुके हुए थे। जब भी कलाकार किसी फिल्म या प्रोजेक्ट के लिए आउटडोर में एक साथ शूटिंग करते हैं, तो अकसर उनमें अच्छी बॉन्डिंग हो जाती है। 'पंचायत' की काफी शूटिंग हमने मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के महोडिया गांव में की। जितेंद्र से दोस्ती तो पहले से थी, अब हम एक-दूसरे को ज्यादा अच्छी तरह समझने लगे हैं। जब कलाकारों में अच्छी मित्रता हो तो वह कैमरे में भी झलकता है, परफॉर्मंस बेहतर होती है।

'पंचायत' की मंजू देवी का किरदार खूब पॉपुलर हुआ। इस किरदार से आपको एक अलग और नई पहचान

मसाबा के साथ करती हूँ गॉसिपिंग

गॉसिप करना 'पंचायत' सीरीज का महत्वपूर्ण हिस्सा है। क्या नीजा अपनी पर्सनल लाइफ में भी गॉसिप करती हैं? पूछने पर वह झट से कहती हैं, 'मैं अपनी बेटी मसाबा के साथ गॉसिप करती हूँ। गॉसिप के लिए कोई एक विषय या कोई एक व्यक्ति हमारा टॉपिक नहीं होता। हमारे इवेंट्स जो भी घटता है, जिन अनुभवों से हम गुजरते हैं, उनके हर पहलू के बारे में गॉसिप करना, यही हम मां-बेटी की गॉसिपिंग होती है। हम मां-बेटी गॉसिपिंग का खूब मजा लेते हैं।'

